

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐतिहासिक सागरताल में श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

**केन्द्रीय मंत्री श्री सिध्या एवं प्रदेश सरकार
के मंत्रिगणों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने
भी किया श्रमदान**

गवालियर का विकास प्रदेश सरकार के लिये विशेष महत्व रखता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामग्रताल पर -जल गंगा संवर्धन अभियान- के तहत आयोजित हुईं जनसभा को संवेदित करते हुए कहा कि बिंड जिले से लेकर सम्पूर्ण बुद्धलखण्ड के माध्यम से प्रदेश भर की जल संरचनाओं को सहेजने का काम किया जा रहा है। उन्होंने रहीम के प्रसिद्ध दोहे -रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सूनः के माध्यम से पानी की महिमा को श्रावकित किया।

सूरीरों की धरा है गवलियर-चंबल क्षेत्र की धराई

माध्यम से प्रदेश भर की जल संरचनाओं को सहेजने का काम किया जा रहा है। उन्होंने रहीम के प्रसिद्ध दोहे -रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सूनः के माध्यम से पानी की महिमा को श्रावकित किया।

माध्यम से प्रदेश भर की जल संरचनाओं को सहेजने का काम किया जा रहा है। उन्होंने रहीम के प्रसिद्ध दोहे -रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सूनः के माध्यम से पानी की महिमा को श्रावकित किया।

के शेष भाग को भी फासड़ लाईट से जगमा किया जायेगा। इसके लिये 15 करोड़ रुपए की धनराशि इडिओ सोसायर अम द्वारा उल्लंघन कराई जायेगी।

प्रदेश में जल संरक्षण के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं : मत्री श्री कुशवाह

से 12 हजार 805 करोड़ रुपए के टक्के ही पूछा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागरताल का काम +जल गंगा संवर्धन अभियानः के बाद भी जारी रखें तो केंद्रिय इस अवसर पर दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने सागरताल के जीर्णोंद्वारा के लिये ढार्ट करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की है। साथ ही सागरताल में नौकरान्य सहित अन्य जलसूखी कार्यों के लिये भी सरकार धनराशि उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागरताल के गहरीकरण से 5 करोड़ लीटर अतिरिक्त जल +वालियरवासियों को उपलब्ध होगा। उन्होंने सागरताल के जीर्णोंद्वारा कार्य में महिला शक्ति, एसीसी कैटरपिलर एवं शहरवासियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग पर खुशी जारी।

धरता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वालियर-चंबल अंचल की शीर्यां गाथाओं की साराहना करते हुए कहा कि चंबल अंचल के जलवान देश की सीमा की रक्षा के लिए सोना तानकर खड़े रहते हैं। इम्फन की गोलियों के आगे आँख से आँख मिलाकर लड़ने की हिम्मत चंबल के सूर्योंरोंने दिखाई है। वालियर धर्ती है जहाँ से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक झारे पर उड़े जल संरक्षण में पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के अड़े तड़वा कर रिए थे।

एतिहासिक वालियर दुर्ग का शेष भाग भी फसाड़

उद्यानिकों एवं खाद्य प्रसंकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुए +जल गंगा संवर्धन अभियानः के तहत जल सहयोग से जल संरक्षण के नए-नए आवाम स्पष्टित हो रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि वालियर क्षेत्र के विकास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोई कोर कस नहीं छोड़ेगा।

वालियर का औद्योगिक वैभव लौटाने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया आग्रह

उर्जा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने जेसीमिल श्रमिकों की

कायद्रम में इनको भी रही मोजदूरी

सागरताल पर +जल गंगा संवर्धन अभियानः के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह सहित अन्य संतजन, नगर निगम सभापति श्री मोजे तोमर तथा सर्वश्री महेन्द्र यादव, अभ्य चौधरी, कोशल शर्मा, रमेश अग्रवाल, जयसिंह कुशवाह, मुशालत गोयल, अराधीष अग्रवाल, विनोद शर्मा व दीपक शर्मा सहित अन्य जननिरन्धियां मंचवासीन थे। साथ ही प्रभुवा सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री संजय शुक्ला, संभाग अयुक्त डॉ. सुदाम खाड़ी, पुलिस महानीर्वाचक श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम अयुक्त श्री हर्ष सिंह,

पक्क पारस्पर म 12 करोड़ रुपए लगात का डनासन फैइडिया प्रा. लि. की इकाई का लोकार्पण शामिल है। इलावा आज दर्जन अन्य विकास कार्यों की अधिकूजन लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य विषयूजन भूमिका दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देखा रेन गार्ट हार्पिस्टिक का मॉडल

सागरताल के समीप नगर निगम द्वारा भूजल रीचार्ज व के लिये तैयार किए गए रेन वाटर हार्पिस्टिक सिस्टम के माध्यम से का जायजा भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिया। उन्होंने इस मॉडल की सराहना की।

ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग का शेष भाग भी फसाड़

लाईट से जगमग होगा : श्री सिंधिया

केन्द्रीय मंत्री श्री जोतिरादित्य सिध्धिया ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में प्रधानमंत्री मेरी नेतृत्व में द्वारा शुरू किए गए अधियान में अधियान की तर्ज पर -जल गंगा संवर्धन अधियान- शुरू किया है। हमारी संस्कृति में नदियों को माँ के समान पूजा जाता रहा है। इसलिए नदियों की रक्षा व साफ-सफाई करना हमारा दायित्व ही है नहीं अपितु धर्म है। खुशी की बात है कि प्रदेश में यह सब काम जल गंगा संवर्धन अधियान के तहत किए जा रहे हैं। उद्देश कठा कि सिध्धिया रियासतकाल में बड़े पैमान पर श्रृंखलाबद्ध ढंग से जल संरचनाओं का निर्माण कराया गया था। सागरताल उनमें से एक है। प्रसन्नता की बात है कि सागरताल के जीर्णद्वार का काम प्रदेश सरकार द्वारा कराया जा रहा है। श्री सिध्धिया ने ग्वालियर को विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी सौगंत देने के लिये मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। साथ ही जगनकारी दी कि ऐंटिहासिक ग्वालियर दुर्ग के शेष भाग को भी फसाड लाईट से जगमग किया जायेगा। इसके लिये 15 करोड़ रुपये की धनराशि इडिंगो सीएसआर मद से उपलब्ध कराई जायेगी।

२

आवार्तित किया। साथ ही भरोसे जताया कि जल्द ही सकारात इन समस्याओं का समाधान करेगी। श्री तोमर ने उपनगर ग्वालियर के औद्योगिक वैभव को फिर से वापस लौटाने की पहली कठोर काम आह भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री सिध्धिया से किया। साथ ही कहा कि सागरताल का जीर्णद्वार व सौंदर्यवर्कण कार्य सुनिश्चित ढंग से पूर्ण कराया जायेगा। अगले गंगी के मौसूल में शहरवासी सागरताल में नौकरान का आनंद उठ सकेंगे।

ग्वालियर अंतर्राष्ट्रीय पटल पर स्थापित होगा : संसद श्री कुशवाह

सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंथा के अनुरूप मध्यप्रदेश सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू किए गए -जल गंगा संवर्धन अधियान- और पीएम श्री पर्यटन बायू सेवा योजना से ग्वालियर जिले को भी बड़ा फायदा हुआ है। इस योजना से ग्वालियर पर्यटन के क्षेत्र में विश्व पटल पर उभारकर समर्पण किया गया। साथ ही 9 करोड़ रुपये लागत के नाम के फायदर स्टेनेज की भूमिपूर्ण सुधारणाएं द्वारा किया गया। साथ ही 9 करोड़ रुपये लागत जिले वाली विश्वविद्यालय में बनाए गए एक हजार सीटर

प्रदेश में जल संरक्षण के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं : मंत्री श्री कुशवाह

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन सहयोग से जल संरक्षण के नए-नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि ग्वालियर क्षेत्र के विकास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोई कार्रवाई कर सकता नहीं छोड़ेगा।

ग्वालियर का औद्योगिक वैभव लौटाने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया आग्रह

ऊर्जा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री प्रध्वन्म सिंह तोमर ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने जेसीमिल श्रमिकों की

कार्यक्रम में इनकी भो रही मौजूदगी

सागरताल पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह सहित अन्य संतजन, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर तथा सर्वश्री महेन्द्र यादव, अध्ययन चौधरी, कौशल शर्मा, रमेश अग्रवाल, जयरसिंह कुशवाह, मुत्रालाल गोवर्ल, अशीष अग्रवाल, विनोद शर्मा व दीपक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियां मंचस्तर पर थीं। साथ ही प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री संजय शुक्ला, संघर्ष अयुवाद डॉ. सुदम खान, पुलिस नियन्त्रिका श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती स्वर्णिमा चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयकर श्री हर्ष सिंह,

पाक परसर म 12 कराड रुपए लगत का डिनासन फैडिंग प्रा. प्लि. की इकाई का लोकार्पण शामिल है। इलावा आधा दर्जन अन्य क्षेत्रिक कार्यालय हमेशा यूज़िन लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देखा रेन गार्टर हार्डिस्टेट का मॉडल

सागरताल के समीप नगर निगम द्वारा भूजल रीचार्ज व के लिये तैयार किए गए रेन वाटर हार्डिस्टेट सिस्टम के मॉडल का जायजा भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिया। उस मॉडल को सरहाना की।

क्या सचमुच अहंकार से आहत है संघ परिवार

राकेश अचल

achalrakesh1959@gmail.com

92

हमउग्र हैं। ऐसा भ्रम फैलाया जा रहा है कि मोशा की भाजपा, संघ का नहीं बल्कि अपना % हिंडन एजेंडा % चला रही है, जबकि ये सौंफोसदी गतल हैं। भाजपा का अपना कोई एजेंडा नहीं है। आज भी संघ इतनी शक्ति रखता है कि मोटी जी को एक झटके में सत्ता से अलग कर दें लेकिन उसके पास मोटी जी का आक्रमकता के साथ वापस के एजेंडे पर काम करने वाला कोई दूसरा नेता है नहीं। अमित शाह का खलनायकत्व भी साफ़ झलकता है। संघ चाहता है कि जब तक उसका एजेंडा पूरा न हो

आम चुनाव में भाजपा के कमजोर होकर उभरने से भाजपा के प्रति जनता में अनास्था और न बढ़े इसलिए संघ ने अपना पैतरा बदलते हुए न सिफर मणिपुर का राग अलापा बल्कि % अंहेंगर % को भी मुद्दा बनाया। संघ लगातार भ्रम पैदा करने की कोशिश करता रहता है। संघ प्रमुख योगराधिकरण में डॉ. कुमुखमत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपस्थिता कर ये भ्रम भी फैलाना चाहता है कि संघ मोदी का विकल्प खो जाए रहा है। जबकि मोदी का विकल्प खुद मोदी जी ही ही है। वे हिटलर की राह पर चलते हुए की आत्मा को परमात्मा मानते हैं। लेकिन उन्हें भी अंत में जात हो जाता है कि उसकी ही आत्मा ,परमात्मा है वह ही ब्रह्म है तथा वही नह है वही नारायण है।

मोदी जी को अब तब तक अविनाशी बने रहना पड़ेगा जब तक की वे स्वयं ही अपने आपको भस्म नहीं कर लेते। उन्हें नाचना सिखाने वाला ईश्वर किस मोहनी बनकर खुद उसे ही उनके सर पर उका हाथ रखवा कर उन्हें भस्म होने के लिए विवश कर दें। ये न संघ जानता है और न दूसरा कोई। एक बात और की भाजपा

दैनिक कैसरिया हिंदुस्तान/रिपोर्टर सतोष
सिंह चौहान मो., 8889486368

गया। इस भौके पर दिनेश शुक्ला एडवोकेट, निर्मिता, रामकुमार महाते, निर्विद्ध सिंह जूदेव र मछड़, डॉ विनोद तिवारी, सन्तोष सरपंच बड़ौदा, देविपाठी, सन्तोष बड़ौदा, रामकुमार विपाठी, शिवनारायण दुबे उर्फ बबल बकील, अंजनी कुम्त्वनिया, हुद्देश निवारीज राजा, शर्मा दउरा, मातादीन बघेल, कैल नारायण, गुप्त गुरेश, मद्रो नरेज, शास्त्री कैल

धंकलग जा पहल से तथा न ससद म शान्ति कम होने की वजह से संघ और भाजपा की याचना की प्रस्ताव श्रद्धी धीमी जल्द ही सकती है लेकिन वे रुके वाली नहीं है। संघ आम चुनाव में घायल हुए मोटी और अमित शाह की जोड़ी की महम-पढ़ी खुली ही कर उर्हं पौछे से ताकत देने का काम करती रहीं और ये भ्रम भी बनाये रहीं की भाजपा और संघ में अन्यन है। ये बात सही है कि अविनाशी मोटी जी जेसे कुछ नेत अत्यधिक अहंकार के कारण विश्व का परम् सत्य जने की कोशिश करते हैं। वे खुद को अविनाशी धीमी कर न र स नारायण जी की मोटी का पर्संद से संघ के आगे अलावरदर बन वाले हैं।

हा या इद्रश कुमार दाना न रामचाराम मानस पढ़ा है। वे जानत हैं कि -

नहिं कोउ अस जनमा जग माही ।

प्रभुता पाइ जाहि मद नाही ॥

माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोटी भी इसका अपवाह नहीं हैं भले ही वे अपने आपको बायतोंजिकल पैदाइश न मानते हों। वैसे आप की निखिल रख लेजिये कि मोटी जी को अंकारा से बचने के सलाह देने वाले इद्रश जी ही मोटी का पर्संद से संघ के आगे अलावरदर बन वाले हैं।

उन्हाँन लहर के पूर्व विधायक पर तज कस्त हुए कहा कि वो खुद नहीं पता क्या बोल रहे एक पत्र में बोले कि विधायक रेत नहीं दराते दे रहा एक मे लिख रहे विधायक ओर थाना प्रभारी मिलकर रेत चला रहे तो उनकी कथनी करनी ही गडबड है खैर उर्हं हार का सदम है उर्वर नहीं तो ऐसे ही ऊल जलूल हक्कते करते रहते हैं उन्होंने कहा गोपेश्वी के भ्रम में न आये इन्होंने हरदम आपको भ्रम फैलाकर छला है, इस पौक पर नवनिवारित सांसद संघरा ये न सभा को सम्बोधित किया और सभी से विधानसभा में विकास की गंगा बहाने हेतु सुझाव एवम आशीर्वाद मंगा लहर विधानसभा में प्रवृद्ध बहुमत से जीत के नामाने दीक्षित कैथा, हरानाविद बघेल, मुखेल, मुखलबघेल, कृपालबघेल, माताप्रसाद बघेल, सत्यनारा-



लहार विधानसभा की जनता एवम कार्यकर्ताओं की जीवन भर ग्रन्थि रहुंगी-सांसद संध्या राय

दैनिक कैसरिया हिंदस्तान/रिपोर्टर सत्रोष

Digitized by srujanika@gmail.com

सिंह चौहान मा, 8889486368

लोकसभा निर्वाचन 2024 में भिंड दलिया लोक सभा सीट से संसद संस्था राय को लहर विधानसभा में अभूतपूर्व समर्थन सत्ताइम्ब हजार एक सौ सत्तावन मतों से जीत के लिए लहर विधायक अम्बरीष शर्मा गुहु भैया को निर्देशन में नगर को सरयू वाटिका गार्डन में एक आधार सभा का आयोगन किया गया इसमें क्षेत्र के लाइले विधायक अम्बरीष शर्मा गुहु भैया ने कहा कि लहर क्षेत्र की जनता ने मेरे निबद्धन पर अभूतपूर्व समर्थन कर संसद महोदयों को हमसे उगाने वोटों से जीत दिलाई इसके लिए क्षेत्र की जनता का सदरे आधारी रहां हजारों कहा कि लहर क्षेत्र की जनता ने प्रेरण है और मेरे हरदम हरपल सोते जागते लहर क्षेत्र की जनता के लियों की कठिनी करता करता है उहोंने लहर के पूर्व विधायक पर तंज कसते हुए कहा कि बो खुद नहीं पता क्या बोल रहे एक पत्र में बोलि कि विधायक रेत नहीं चलने दे रहा एक में लिख रहे विधायक और थाना प्रभारी मिलकर रेत चला रहे तो उनकी धरथी करनी है जो गड़बड़ है खै उहोंने हार मादम है उन्हे नहीं तो ऐसे ही ऊल जलाल बदलकरते करते रहते हैं उहोंने कहा कोंग्रेसियों के भूमि में न आये इन्होंने हरदम आको भूमि फैलाकर छला है, इस मौके पर नवनिर्वाचित संसद संस्था राय ने सभा का सम्बोधित किया और सभी से विधानसभा में विकास की गंगा बहाने हेतु सुझाव एवम आशीर्वाद मांगा लहर विधानसभा में प्रचंड बहुपते से जीत के लिए जनता को धन्यवाद दिया, मंच की संचालन मीडिया प्रभारी योगेंद्र सिंह बघेल द्वारा किया

प्रमुख सचिव के आदेश को ठेगा.. पटरा नुमा रिब लगा सड़को पर दौड़ रहे रेत के ओवरलोड वाहन

गंदंद्र परिहार

शहडोल। अजब गजब है हमारा शहडोल और शहडोल के विभिन्न विभाग खैर ताजा रसीन मामला शहडोल खनिज विभाग का है जहाँ प्रमुख सचिव खनिज विभाग द्वारा हाल ही में निर्देश जारी किए गए थे की रेत परिवहन में ऑवरलोड चल रहे वाहनों पर कार्यवाही की जाए। और जिन ट्रांसपोर्टर द्वारा वाहनों में उपर पटरा फिट से लेकर 2.5 फिट तक के रिब नुमा पटरा लगे हैं उन पर कार्यवाही की जाए ताकि ऑवरलोड रेत का परिवहन सड़क पर ना हो और सड़क समय से पहले ही क्षतिग्रस्त नहीं लोकिन कहते हैं जो की कुछ आदेश काजू तक ही सीमित रह जाते हैं ऐसा ही हुआ इस आदेश के साथ।

लगभग एक ड्राइवरोड माल

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल और बुद्धर खैरहा के कुछ वाहन स्वामियों में अपने आधे दर्जन से अधिक हाईवा और ट्रैक्स में एक फिट से लेकर 2.5 फीट चौड़ी तक की रिब अर्थात् पटरा लाग रखा है, और उन गाड़ियों में जब वे वाहन स्वामी रेत लेने की खदान में भेजते हैं तो लागभग उसे हाईवा में 1 मिनी ट्रक जितनी रेत लागभग 180 फिट रेत अविविक मिलती है जिसे बाजार में डायरेक्ट से कई गुना दाम पर बेचा जाता है और यह खेल कई लोकों से चल रहा है।

कटिंग में विकिटी है ऑवरलोड रेत

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रति हाईवा में लगभग 200 फिट रेत ऑवरलोड शहडोल जिला मुख्यालय सहित बुद्धर, खैरहा, धनपुरी, सिंहपुर और मुख्यालय व अन्य क्षेत्रों में



पहुंच रही है जहाँ वाहन स्वामी पहले ही लगभग 180 फिट रेत काट कर अलग कर लेते हैं और वाहनी की रेत ग्राहक को बेच दी जाती है और उन लगभग 180 फिट रेत की काटिंगों को मिनी ट्रक द्वारा द्वारी के माध्यम से ग्राहकों तक अलग से रेत कम लेकर पहुंचाया जाता है इसके अलावा शहडोल जिला

मुख्यालय में तीन से चार रेत कारोबारी हाईवे को डग्गी में कन्वर्ट कर डग्गी से रेत सलाई कर रहे हैं।

आखिर कब होगी कार्यवाही

परिवहन विभाग के मापदंडों के अनुसार हाईवा की बॉडी



बनाई जाती है तो वहीं कुछ वाहन स्वामी पैसे की लालच में निर्धारित मापदंड के विरुद्ध अलग से रिब अथवा पटरा लागवा लेते हैं जो की पूर्णता गैर कानूनी है नियम अनुसार परिवहन एवं पुलिस विभाग को इन पर कार्यवाही करन का अधिकार है, तो वहीं खनिज विभाग को भी रिब लगा रेत परिवहन कर

रहे भारी वाहनों पर कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए गए थे लेकिन यह निर्देश ठड़े बरसे के हवाले कर दिया गया अबकीं के अनुसार यदि सभी वाहनों से रिब निकाल दी जाए तो प्रतिदिन जासान को लागभग 80 लाख से एक करोड़ 20 लाख रुपए की राजस्व का फायदा मिलता।

असवारी में नियम विरुद्ध संचालित पथर खदान, खनिज विभाग की भूमिका पर उठ रहे सवाल

गोहपारू बोल्डर खदान में खनिज के कायदे रौद रहे क्रेशर संचालक



शहडोल शहडोल में खनन माफिया की कमी थी बड़ा जो दोषी और सामार से आए खनन माफियों ने शहडोल में अपना कब्जा जमा लिया जी हाँ जो क्रेशर को और खदान को तत्कालीन कलेक्टर संस्थाने द्वारा दिया सीज कराया गया था उसे क्रेशर से खेला जाए। अपना कब्जा कर लिया है, अब कहने को तो तिवारी जो बोल्डर या तो खीरी रहे होंगे या गोहपारू के असवारी स्थित अपने बोल्डर खदान से खुब रहे होंगे लेकिन यह बात पर्याप्त कहने की है सुधों को कहना तो यह कि जिस खदान और जिस क्रेशर को सीज किया गया था जिला प्रशासन को चुनौती देकर कर्तव्य तिवारी जी वहाँ पर पुनः कुछ नहीं करना।

तत्कालीन कलेक्टर बंदना वेद ने खनिज विभाग के अधिकारी के भी परे है है तो वहीं खदान की गहराई उत्तरवान किए गए बोल्डर की मात्रा सहित वक्षारोपण न करना ग्रीन परदे ना लगवाना, फेरिंग बांडी बंल ना छोना जैसे तेकिन प्रशासन से पांच लेने और कलेक्टर से दो दो हाथ करने की जो काथत गोहपारू के माफियों ने जो तानी क्रेशर का संचालन पुनर्प्रारंभ हो गया अब देना यह होगा की कार्यवाही क्या होगी। हालांकि तिवारी जी बोंडर के लिए कभी शहडोल के महाराज का नाम खबर करते हैं तो कभी कोई और बहाना बताते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा ट्रिम भेज कर ज्रेशर को लागभग 3 वर्ष पूर्व संशोध कर कार्यवाही की गई थी उसी क्रेशर को कर्तव्य क्रेशर संचालक द्वारा भी नियमों को धोता बताया जा रहा है पर भी कार्यवाही अवश्य होनी चाहिए। अब देखना यह होगा कि संवेदनशील कलेक्टर अवैध पथर खनन नियमों को धोता बताने के मामले में क्या कार्यवाही करते हैं।

जानकार सूत्रों की माने तो असवारी में कथित तिवारी जी की खदान न सिरक लीज

से बाहर जा चुकी है अपितु डीजीएमएस के कायदे के भी परे है है तो वहीं खदान की गहराई उत्तरवान किए गए बोल्डर की मात्रा सहित वक्षारोपण न करना ग्रीन परदे ना लगवाना, फेरिंग बांडी बंल ना छोना जैसे मापदंडों की कार्यवाही खनिज विभाग के माफियों ने जो तानी क्रेशर का संचालन पुनर्प्रारंभ हो गया अब देना यह होगा की कार्यवाही क्या होगी। हालांकि तिवारी जी बोंडर के लिए कभी शहडोल के महाराज का नाम खबर करते हैं तो कभी कोई और बहाना बताते हैं।

पुरातत्व विभाग के कर्मचारी ने दर्शन करने आए शब्दालुओं से वसूला जुर्माना, पुलिस ने लौटाए



बस का किराया भी नहीं बचेगा। पुरातत्व विभाग के कर्मचारी ने उनके एक बात भी नहीं सुनी। पांच सौ रुपए अवैध रूप से वसूले। इसके बाद दोनों दर्शनार्थी निराम होकर बाहर बाणगांव चौराहा स्थित एक दुकान पहुंचे। उन्होंने दुकानदार से कहा कि वह उड़े सौ रुपए नाद दे देइसके एजव में वह उसके फोन पे नामर पर अपने मित्र से सौ रुपये डलवा रहे हैं। इस बात के सूनकर दुकानदार ने दर्शनार्थी से पूछा कि आखिर तुम इनी दूर से आए हो और तुम्हारा पास घर जाने का किराया तक नहीं है। इसके बाद उन्होंने दुकानदार को सारा घटनाक्रम बताया। जुमाने के नाम पर वहीं सुनी के बारे उड़े बताया। तब नामला थाने पहुंचा और उड़े अपने पैसे वापस मिल सके। इस बात के बारे जानकारी सोहागुर थाना को दी गई। कुछ ही देर में वहाँ पुलिस पहुंच गई। इसके बाद दर्शनार्थी से पूछाताज के बाद विराट मार्मिद देखने के लिए विराट मार्मिद थे तैना पुरातत्व विभाग के अधिकारी अपनी चाहिए तिवारी को बहाना बताया। तब नामला गोहपारू ज्यासिंहनगर में संचालित अन्य क्रेशर संचालकों द्वारा भी नियमों को धोता बताया जा रहा है पर भी कार्यवाही अवश्य होनी चाहिए। अब देखना यह होगा कि संवेदनशील कलेक्टर अवैध पथर खनन के नाम पर एंटे लिए। कोई रसीद नहीं ही रुपये फाफन के दोनों दोनों कहते हैं कि उनके पास केवल इन्होंने ही रुपये हैं। हालांकि अपने बारे ये ये पैसे दे देंगे तो उनके पास घर जाने के लिए एंटे गए होंगे। इसकी जांच आवश्यक है।

दुकान से चोरी करने वालों को तेज आंधी तूफान से 11 हजार के टूटा तार, खेत में गिरने से दो मवेशियों की मौत

पुलिस ने संभाला मोर्चा, लोगों को घटनास्थल से किया दूर

शहडोल। फरियादी दिनेस प्रसाद मिश्रा पिटा भैयालाल ग्राम सेमरा थाना जयसिंहनगर जिला शहडोल का लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि गुरुवार को मै शाप को शापकीय उचित मूल्य दुकान में ताला बंद कर अपने घर चला गया था। जब शुक्रवार को घर से अपने शापकीय उचित मूल्य दुकान करकी आया देखा तो गेट का दरवाजा द्वारा था अन्दर रखा 04 बोरा गेहूं नहीं था। प्रत्येक बोरा में स्पॉल रहा था और देना चाहिए। अपने दरवाजे पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था जिसका चालू करते हैं तो गेट का लिखित रिपोर्ट पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था। जब शुक्रवार को घर से अपने शापकीय उचित मूल्य दुकान करकी आया देखा तो गेट का दरवाजा द्वारा था अन्दर रखा 04 बोरा गेहूं नहीं था। प्रत्येक बोरा में स्पॉल रहा था और देना चाहिए। अपने दरवाजे पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था जिसका चालू करते हैं तो गेट का लिखित रिपोर्ट पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था। जब शुक्रवार को घर से अपने शापकीय उचित मूल्य दुकान करकी आया देखा तो गेट का दरवाजा द्वारा था अन्दर रखा 04 बोरा गेहूं नहीं था। प्रत्येक बोरा में स्पॉल रहा था और देना चाहिए। अपने दरवाजे पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था जिसका चालू करते हैं तो गेट का लिखित रिपोर्ट पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था। जब शुक्रवार को घर से अपने शापकीय उचित मूल्य दुकान करकी आया देखा तो गेट का दरवाजा द्वारा था अन्दर रखा 04 बोरा गेहूं नहीं था। प्रत्येक बोरा में स्पॉल रहा था और देना चाहिए। अपने दरवाजे पर अपने गेट का लिखित रिपोर्ट दिया गया था जिसका चालू करते हैं तो गेट का लिखित रिपोर्ट पर अपने गेट का लिख

